



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण &  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 302]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 20, 1990/आषाढ़ 29, 1912

No. 302]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 20, 1990/ASADHA 29, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जन-सूचक परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिमूचना

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1990

सा.का.नि. 652(अ):-भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908(1908 का 15) की धारा 33, 34, 46 व 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, नौवहन एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा समय समय पर जारी की गई अधिमूचना जिनमें 1 जुलाई, 1975 को जारी की गई अधिमूचना सं. पी जी आर-61/75-11 अंतिम है, का अतिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निर्देश देती है कि इन अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60 दिन पूरे होने के बाद अगले दिन से कोइला पत्तन में प्रवेश करने वाले जहाजों पर अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट पत्तन शुल्क लगाये जायेंगे जिसकी वरें उक्त अनुसूची के कालम 3 में विनिर्दिष्ट हैं और निर्धारित समय कालम 4 में दिया गया है।

अनुसूची

क्र.सं. एन आर टी में जहाज समूह

विभिन्न पत्तनों में प्रवेश करने वाले जहाजों के लिये एक ही जहाज के संबंध प्रति एन.आर.टी. पत्तन शुल्क की दर अथवा में कितनी बार शुल्क उसका भाग देय होगा

प्रो.प्रो.टी. वाडीनगर काइला पत्तन  
र० र०

1	2	3	4
1. 10,000 एन आर टी तक	1.60	4.50	शुल्क पत्तन में प्रत्येक
2. 10,001—40,000 एन आर टी तक	1.80	5.00	बार प्रवेश करने के
3. 40,001—67,000 एन आर टी तक	2.00	5.00	विषे देय होगा।
4. 67,000 से अधिक एन आर टी	2.20	5.00	

टिप्पणी :—

1. किसी जहाज के पत्तन शुल्क को उन जहाज के एनआरटी के अनुसार उक्त जहाज समूह में केवल एक के आगे दर्शाया गई दर पर उसी जहाज का कुल एनआरटी के अनुसार मूल्यांकन किया जायेगा।
2. तटीय जहाजों के संबंध में उक्त दरों में 30% की रियायत दी जायेगी।
3. निम्नलिखित परिस्थितियों में कोई जहाज अन्यथा वसूल की जाने वाली दर से आधी दर पर पत्तन शुल्क भुगतान करेगा :—
  - (i) जब जहाज ब्लास्ट में प्रवेश कर रहा हो और वह यात्री न ले जा रहा हो।
  - (ii) जब जहाज (मरम्मत के लिये आवश्यक चढ़ाई उताराई को छोड़कर) किसी कार्यों अथवा यात्रियों का चढ़ाई व उताराई न करे।
  - (iii) जब कोई जहाज अपने स्वयं के उपयोग के लिये खाद्य-आम्रो, पानी बंकर इत्यादि ले जाने के लिये प्रवेश करे।
  - (iv) जिस जहाज के पास बोर्ड पर कोई मान न हो और उसे विपत्ति में बंदरगाह पर खींच कर लाया जाये।
4. जब किसी नदी, नाल, विपत्तिग्रस्त जहाज को बंदरगाह में खींचकर लाया जाये तो उसे पूरे पत्तन शुल्क देने होंगे।
5. भारत के किसी अन्य महापत्तन के जहाज को पत्तन शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ेगा।
6. कांडला पत्तन पर केवल मान को उताराई अथवा चढ़ाई के लिये प्रवेश करने वाले लेन यॉज को हम शर्त पर पत्तन शुल्कों के भुगतान से छूट दी जायेगी कि ऐसे लेन बाजों पर माल चढ़ाने व उतारने वाले आधार पोंन द्वारा निर्धारित दरों पर पत्तन शुल्क अर्पण कर दिये जायें।
7. बिल का कुल राशि निकटतम 10 रु. तक पूर्ण की जायेगी।

[फाइल सं. पी आर-14012/28/89-पी जी(ii)]

एस.एन. कक्कड, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 20th July, 1990

G.S.R. 652(E).—In exercise of the powers conferred by section 33, 34, 46 and 47 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport issued from time to time and ending with No. PGR-61/75-II dated 1st July, 1975, the Central Government hereby direct that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of notification in the official Gazette, Port dues shall be levied on vessel entering the port of Kandla and described in Col. 2 of the Schedule at the rates specified in Col. 3 thereof and at the time fixed in Col. 4 of the said schedule.

### THE SCHEDULE

Sl. Vessel Group in NRT No.	Rate of Port dues per NRT or part thereof for vessels entering in respect of		Due how often chargeable in respect of same vessels.
	OOT, Vadinar	Kandla Port.	
1	2	3	4
1. Upto 10,000 NRT	1.60	4.50	The due is payable on each entry into the Port.
2. 10,001—40,000 NRT	1.80	5.00	
3. 40,001—67,000 NRT	2.00	5.00	
4. Above 67,000 NRT	2.20	5.00	

**NOTE :**

1. The Port dues of a vessel will be assessed on her total NRT at the rate shown against only one of the above vessel groups according to NRT of that vessel.
2. A rebate of 30% in the above rates be granted in respect of coastal vessels.
3. A vessel shall pay Port dues at half the rate which would otherwise be chargeable under the following circumstances :
  - (i) Vessel entering in ballast and not carrying passengers.
  - (ii) Vessel not discharging or loading any cargo or passengers (with the exception of such unshipment and re-shipment, as may be necessary for purpose of repair).
  - (iii) Vessel entering for taking any provisions, water, bunker etc. for her own consumption and
  - (iv) Vessel in distress brought into harbour in tow which has no cargo on board.
4. A vessel in distress with cargo on board brought into harbour in tow shall be charged full port dues.
5. Vessel belonging to other Major Ports in India shall be exempted from payment of Port dues.
6. LASH barges entering the Port of Kandla only for discharging or loading shall be exempted from payment of Port dues, subject to the condition that Port dues at prescribed rates are paid by the mother ships discharging or loading such LASH barges.
7. The aggregate amount of bill shall be rounded off to the nearest rupees ten.

[F.No. PR-14012/28/89-PG (ii)]

S. N. KAKAR, Jt. Secy.

